IJAMSR

International Conference on Recent Trends in Engineering, Pharmacy, Science & Technology, Humanities and Management (ICRTEPSTHM-2018) On 30th September, 2018, Red Fox Hotel, Hyderabad, Telangana.

निर्मल वर्मा के कथा साहित्य

Braj Bhushan Vibhuti
M. Phil Research Scholar, Dept. Of. Hindi, Himalayan Garhwal University, Uttarakhand
Dr Brijlata Sharma
Asst. Professor, Dept. Of. Hindi, Himalayan Garhwal University, Uttarakhand

संकेत शब्द: निर्मल वर्मा, साहित्य

ABSTRACT

रोजमर्रा की घटनाओंए मानवीय आदतोंए कमियों.खूबियों को निर्मल वर्मा ने उतने ही सहज रूप में लिखा है जितना बाकी की दुनिया ने उसे कठिन बना रखा है। निर्मल वर्मा खुद भी मस्त रहते थे और कोशिश करते थे कि आस.पास सब मगन रहेंए जीते रहें। निर्मल वर्मा जिंदगी के नैराश्य से हाथ छुड़ाकर भागने में यकीन नहीं रखते थेए बल्कि उसका आनंद लेते थे।